

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—संख्या 3—उपलब्ध (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

17

सं. 149] नई दिल्ली, मंगलवार, मार्च 26, 1974/चैत्र 5, 1896

No. 149] NEW DELHI, TUESDAY, MARCH 26, 1974/CHAITRA 5, 1896

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या परी जासी है जिससे एक पह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate pagng is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

ORDER

New Delhi, the 26th March 1974

S.O. 212(E).—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development, Internal Trade and Company Affairs (Department of Industrial Development) No. S.O. 620/18A/IDRA/69, dated the 14th February, 1969, read with the notifications of the Government of India in the late Ministry of Foreign Trade Nos. S.O. 616, dated the 13th February, 1970, S.O. 1101, dated the 18th March, 1970, S.O. 1364, dated the 9th April, 1970 and S.O. 1565, dated the 7th April, 1971, and the Ministry of Industrial Development No. S.O. 202(E), dated the 6th April, 1973, the management of industrial undertaking known as New Maneckchok Spinning and Weaving Company Limited, Ahmedabad, had been taken over by the Authorised Controller referred to in the Order first mentioned above for a period upto and inclusive of the 9th April, 1974;

And whereas the Central Government is of opinion that it is expedient in the public interest that the Order first mentioned above should continue to have effect for a further period of one year, that is, upto and inclusive of the 9th April, 1975;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (2) of section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the Order first mentioned above shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 9th April, 1975.

[No. 28013/17/74-NTC]
D. K. SAXENA, Jt. Secy.

ओद्योगिक विकास मन्त्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 26 मार्च, 1974

५८० ओ० २१२ (अ).—यतः भारत सरकार के भूतपूर्व विदेश व्यापार मन्त्रालय की अधिसूचना सं० का० आ० ६१६, तारीख १३ फरवरी, १९७०, का० आ० ११०१, तारीख १८ मार्च, १९७०, का० आ० १३६४, तारीख ९ अप्रैल, १९७० और का० आ० १५६५, तारीख ७ अप्रैल, १९७१ और श्रीद्योगिक विकास मन्त्रालय की अधिसूचना सं० का० आ० २०२ (ई), तारीख ६ अप्रैल, १९७३ के साथ पठित भारत सरकार के भूतपूर्व श्रीद्योगिक विकास, आन्तरिक व्यापार और कम्पनी कार्य मन्त्रालय (श्रीद्योगिक विकास विभाग) के आदेश से० का० आ० ६२०/१८ए/आई डी आर ए/६९, तारीख १४ फरवरी, १९६९ द्वारा, न्यू मानकबोक स्पीनिंग एण्ड वीविंग कम्पनी निमिट्ट, अहमदाबाद नामक श्रीद्योगिक उपक्रम का प्रबन्धनन्त ऊपर पश्चात् वर्णित आदेश में निर्दिष्ट प्राधिकृत नियंत्रक द्वारा ९ अप्रैल, १९७४, तक, जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है, की अवधि के लिए ग्रहण कर लिया गया था;

और यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि नोकहित में यह समीचीन है कि ऊपर पश्चात् वर्णित आदेश ९ अप्रैल, १९७५ तक, जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है, एक और वर्ष की अवधि तक प्रवृत्त रहना चाहिए;

अतः, अब, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, १९५१ (१९५१ का ६५) की धारा १८ क की उपधारा (२) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार निदेश देती है कि ऊपर पश्चात् वर्णित आदेश ९ अप्रैल, १९७५ तक, जिसमें यह दिन भी सम्मिलित है, एक और वर्ष की अवधि के लिए प्रवृत्त रहेगा।

[मं० २८० १३/१७/७४-एन० टी० सी०]

डी० के० सक्सेना, संयुक्त सचिव।